डायमण्ड कॉमिक्स

D-100 Rs. 15.00

चाचा चौधरी और राका

चाचा चौधरी और राका

चाचाजी, मैं इतने सालों से पृथ्वी पर हूं. मैंने देखा कि पृथ्वी का यह हिस्सा जिसमें भारत है, पृथ्वी के यूरोपीय हिस्से से पिछड़ा हुआ है.

साबू एक जमाना था जब हमारा देश विज्ञान और कला में यूरोपीय देशों से बहुत आगे था. आपसी फूट ने हमारे देश को तरक्की की दौड़ में पीछे धकेल दिया.

प्राचीनकाल में सबसे पहले हमारे यहां उड़नखटोला बना जिसे पश्चिमी देश अब हवाईजहाज कहते हैं. रामायण और महाभारत की लड़ाइयों में अग्निबाणों का प्रयोग हुआ था जिसे रूस और अमरीका इंटरकोंटीनेनटल मिसाइल्स कहते हैं.

प्राचीन भारत के वे महान वैज्ञानिक कहां हैं जिन्होंने ऐसी बेजोड़ चीजें बनाईं ?

वे सब इतिहास के अंधकार में लुप्त हो गए. परंतु भारत में एक व्यक्ति अब भी ऐसा है जो अपनी मिसाल आप है. आओ, मैं तुम्हें उससे मिलवाता हूं.

क्या नाम है उनका ?

साबू, मैं उनको चक्रमाचार्य कहता हूं.

चक्रमाचार्य की हवेली...

आचार्यजी! आप अंदर हैं ?

चौधरी, चले आओ!

साबू! जरा सिर बचा कर.

चक्रमाचार्य जी! मैं छह महीने पहले भी इधर आया था लेकिन बाहर ताला लगा हुआ मिला था.

इससे पहले 1850 में जब तांत्याटोपे बीमार पड़ा था तो उसके इलाज के लिए मुझे उन जंगलों में जड़ी-बूटियां लेने जाना पड़ा था.

हां, मैं यहां से पूरे पांच साल गायब रहा. हिमालय पर्वत के जंगलों में खाक छानता रहा. मुझे कुछ महत्वपूर्ण जड़ी-बूटियों की तलाश थी.

साबू, चक्रमाचार्य जी की आयु साढ़े तीन सौ साल से भी ज्यादा है.

1850 में ?? क्या तब भी चक्रमाचार्य जी पैदा भी हुए थे ?

अँसम्भव ! पृथ्वी पर इतनी लम्बी आयु का आदमी होना नामुमकिन हैं. हां हमारे ज्यूपीटर पर हजारों साल तक भी आदमी जी सकता हैं.

साबू ज्यूपीटर ग्रह का वासी हैं.

साबू, चक्रमाचार्य हमेशा तरह-तरह की जड़ी-बूटियों की खोज में रहते हैं. इन्होंने हिमालय के जंगलों से ऐसी बूटियां खोज निकालीं जिनका अर्क पीकर इन्होंने लम्बी आयु पाई

इस लम्बू को यह भी बता दो कि जब लक्ष्मण मूर्छित हो कर गिर पड़े थे तो वह संजीवनी बूटी ही थी जिसको सूंघते ही वह झट से खड़े हो गए थे. हमारे देश की जड़ी-बूटियों के गुण असीमित हैं.

वैद्यराज, इसे माफ कर दीजिए. हां, आगे बताइए, इस बार आपको हिमालय के जंगलों में क्या मिला ?

इस बार मैंने हिमालय के जंगलों से कुछ अनूठी जड़ी-बूटियां इकट्ठी कीं और सबको मिला कर उनका अर्क बनाया.

क्या यह अर्क खांसी-जुकाम ठीक कर सकता है?

चौधरी! यह साबू बहुत बड़बड़ करने लगा है. मुझे गुस्सा आ गया तो मैं इसे ऐसी बूटी सुंघाऊंगा कि हमेशा के लिए गूंगा हो जाएगा.

अरे बेवकूफ! खांसी के लिए तो बनिए की दुकान पर मिलने वाली मुल्लैठी ही काफी है. फिर मैं इतने सालों तक घने जंगलों में क्यों मारा-मारा फिरता रहा?

मेरा अर्क वह अद्भुत दवाई है जो दुनिया में पहले कभी नहीं बनी.

© PRAN'S FEATURES 1982

असर देखने के लिए मैं थोड़ा सा अर्क अपनी पालतू बिल्ली को पिलाता हूँ.
लपर! लपर!
आचार्य का अर्क खून में मिलते ही बिल्ली में परिवर्तन आने लगा. बिल्ली का आकार बढ़ते बढ़ते भेड़िये के बराबर हो गया..
आचार्य, तुम्हारे अदभुत अर्क ने बिल्ली में जो परिवर्तन किया, वह सचमुच हैरान कर देने वाला है.
चौधरी! हैरान कर देने वाली बात तो अब होने जा रही है.

नहीं! मैं तुम्हें बिल्ली को गोली नहीं मारने दूंगा! वह मर जाएगी.

पीछे हट जाओ!

धांय!

आश्चर्य! उसे गोली लगी और वह जिंदा है?

आचार्य! क्या बंदूक में गोली असली थी?

तुम फिर बक-बक करने लग गए?

साबू! एक तरह से तुमने मेरी खोज और मेरे ज्ञान को चुनौती दी है. ठीक है.

बंदूक में गोली नकली हो सकती है पर मेरा ज्ञान परखने के लिए एक दूसरा तरीका भी है.

रेलगाड़ी! वह नकली नहीं हो सकती. मैंने अपनी प्यारी बिल्ली को रेलवे लाइन पर बांध दिया है.

रेलगाड़ी आ रही है! क्या मैं बिल्ली को खोल दूं?

नहीं! उसे वहीं बंधा रहने दो जब तक कि उस पर से गाड़ी के पहिये न गुजर जाएं.

ओह! बेचारी बिल्ली!

चाचाजी, कहीं मैं सपना तो नहीं देख रहा हूं ?

अदभुत !

मियाऊं

वापस आकर .

अभी तुमने कुछ और भी देखना है, चौधरी. अब इसे मैं अपनी दूसरी दवाई पिलाता हूं.

लपर ! लपर !

दवाई खून में जाते ही बिल्ली का आकार घट कर पहले जैसा हो गया.

अब यह दूसरे आम जानवरों जैसी हो गई है और इसको कोई भी मार सकता है.

मेरा यह अर्क मनुष्य जाति के लिए बहुत फायदेमंद साबित होगा. दो-चार बूंदें अंदर जाते ही यह अर्क बीमारियों से ही नहीं मौत से भी मनुष्य को बचाएगा.
आचार्य! आपने मनुष्य जाति को एक बहुत बड़े खतरे के सामने धकेल दिया है.
वह कैसे ?
यदि आपका यह अर्क किसी अपराधी प्रवृति वाले मनुष्य के हाथ लग गया तो जानते हो क्या होगा?
चौधरी, मैं समझ गया तुम क्या कहना चाहते हो? यह अर्क पीते ही उस पर से मौत का भय हट जाएगा और वह ज्यादा अपराध करने लगेगा.

मैं अपने इस अर्क की शीशी पर यह लेबल लगा देता हूं ताकि इसके नजदीक कोई न फटके.

जहर

चौधरी, इस रहस्य को मैं, तुम और साबू ही जानते हैं.

दोनों अपने घर की तरफ चल दिए.

आचार्य ने 'जहर' का लेबल लगा कर कुछ हद तक तो अर्क को सुरक्षित कर दिया है, फिर भी मेरा दिल कहता है कि इसका गलत प्रयोग हो सकता है.

चाचाजी, अगर यह सचमुच ही खतरनाक सिद्ध हो सकता है तो आचार्य ने इसका आविष्कार क्यों किया?

वैज्ञानिक आविष्कार अपने कौतूहल को शांत करने के लिए करते हैं. उन्हें इससे कोई भी सरोकार नहीं होता कि आविष्कार का प्रयोग मनुष्य की भलाई के लिए होगा या बुराई के लिए.

मुखबिर जामपीर पुलिस सुपरिंटैंडेंट के दफ्तर पर...

कहो जामपीर ! क्या खबर लाए हो ?

हुजूर ! खबर तो बहुत बड़ी है, पर डर लगता है कि उसे मुंह से निकालते ही दम भी बाहर न निकल जाए.

जामबीर ! घबराओ नहीं. तुम्हें पुलिस का पूरा संरक्षण मिलेगा.

हुजूर, मैंने अभी-अभी डाकू राका को देखा है.

राका !! कहां ??

हुजूर ! नाचने वाली मुन्नी बाई के कोठे पर.

पुलिस स्टेशन

बस, जामपीर ! इतना काफी है.

पांच- छह सिपाही मेरे साथ आओ !

राका कई बार पुलिस को चकमा दे कर भाग निकला है. इस बार वह हाथ से जाने न पाए !

राका चालाक भेड़िया है, इसलिए होशियारी से.

मुन्नीबाई...

राका! पुलिस!

अच्छा, मुन्नीबाई! जिन्दा रहे तो फिर मिलेंगे.

रुको! रुक जा! नहीं तो गोली मार दूंगा।

कुत्ते!

ओह!

राका! एक भी कदम आगे बढ़ाया तो...

शेरा!

चल शेरा! आज तेरी परीक्षा की घड़ी आ पहुंची है.

राका भाग निकला है. उसका पीछा करो.

और उधर राका को लिए शेरा हवा से बातें करने लगा.

ड्राईवर! गाड़ी और तेज चलाओ!

धांय!

हिन्ह-ह-ह!!

शेरा!!

गोली शेरा की टांग पर लगी. जख्मी शेरा को छोड़ कर राका आगे बढ़ा.

वह इधर ही कहीं छुपने की कोशिश कर रहा है. आओ मेरे साथ !

राका छुपने की जगह खोजता रहा.

इन सूखी जड़ी-बूटियों का चूर्ण ही बना दूं. निमोनिया बुखार यह एक दिन में ठीक करने की सामर्थ्य रखता हैं.

सुपरिंटेंडेन्ट ने राका को एक खिड़की में घुसते देखा तो फौरन फायर किया.

धांय!

कौन ?

खटाक!

बुड्ढे! जरा भी शोर किया तो मैं तेरी खोपड़ी उड़ा दूंगा.

राका इस मकान में घुसा है. इसको चारों तरफ से घेर लो.

कुत्तो! अब मुझे थोड़ी आड़ मिल गई है. मैं तुम सब को जमीन चटा दूंगा.

धांय!

सब लोग आड़ में हो जाओ.

धांय!

मैं तुम्हारी धज्जियां उड़ा दूंगा.

ओह! यह तो अचूक निशानेबाज है.

धांय!

चारों तरफ से गोलियां बरसाओ!

ओह !

टिक-टिक !

सिपाहियो ! राका की तरफ से गोलियां आनी बंद हो गई हैं. लगता है उसके कारतूस खत्म हो गए हैं

धीरे-धीरे आगे बढ़ो !

ओह ! मैं घिर गया. लेकिन राका को जिन्दा पकड़ना आसान नहीं .

यह जहर मेरे लिए काफी होगा. पुलिस के हाथों पकड़े जाने से अच्छा है इज़्ज़त की मौत !

जहर

रूको ! तुम इसे नहीं पी सकते !

तड़ाक!

चल बुड्ढे ! मरने से मुझे कौन रोक सकता है?

ओह ! चाचा चौधरी ने ठीक कहा था. मैंने यह अद्भुत अर्क बनाकर सचमुच ही बहुत बड़ी गलती की है.

जब पुलिस अंदर आएगी तो उसे मेरी लाश मिलेगी. लोग कहेंगे – राका एक दिलेरी की जिंदगी जिया और एक दिलेर की तरह मरा.

ओह! मेरे अंदर एक अजीब सी हलचल हो रही है. ब्लड प्रेशर बढ़ गया है, हड्डियां कड़क रही हैं. शायद मौत आने के चिन्ह हैं.

हैं! यह क्या?

सर! देखो राका!

हे भगवान! मैं कहीं सपना तो नहीं देख रहा?

सिपाहियो! कुछ भी हो. इस खूंखार डाकू को गोलियों से भून डालो!

धाँय!

धाँय!

धाँय!

मैंने सारे कारतूस उसके पेट में उड़ेल दिए. फिर भी न उसे कोई चोट आई न ही खून बहा ?

इन ओछे चमत्कारों से वह हमें विचलित नहीं कर सकता. मैं अभी उसकी छाती छलनी किए देता हूं.

धांय! धांय! धांय!

हैं!!! इतनी गोलियां लगने पर भी मैं जिंदा हूं?

तुम मेरा कुछ भी नहीं बिगाड़ सकते! पीछे हट जाओ!

इसे रोको!

धड़ाक!

ओह!

उउउह!

मैंने जो कुछ पीया, पता नहीं वह क्या था? पर अब पुलिस न तो मुझे पकड़ सकती है, न ही मार सकती है.

चाचा चौधरी के घर...

राकेट! काफी घूम लिए. आओ, अब घर बैठ कर थोड़ा आराम करें.

मैंने अभी घर को साफ किया था. तुम दोनों ने कीचड़ वाले पैरों से सारा ड्राइंगरूम गंदा कर दिया.

बात तो ठीक है, राकेट! अगर अभी कोई मेहमान आ गया तो वह गंदे ड्राइंगरूम को देख कर क्या कहेगा?

आओ, हम रसोई में चल कर बैठें.

भगवान! तुम खुश नहीं हुई?

निकल जाओ!

राकेट ! भागो वर्ना अपनी खैर नहीं.

द्रिन-द्रिन--

ओह, टेलिफोन !

हेलो !

चौधरी ! आप जल्दी चक्रमाचार्य की हवेली में पहुंचो...

मुझे कुछ अनर्थ होने की शंका है.

साबू ! जल्दी आओ मेरे साथ. मुझे चक्रमाचार्य की जान खतरे में लगती है.

चक्रमाचार्य की हवेली में...

मर गया बेचारा! दूसरों को बचाने के लिए जो जिंदगी भर दौड़-धूप करता रहा, खुद बेमौत मारा गया.

उसके अद्भुत अर्क की शीशी खाली है. जिसका मुझे डर था, वही हुआ आखिर.

जहर

उधर राका अपने डाकू साथियों के साथ...

सरदार! माल की दिन प्रति-दिन कमी होती जा रही है. किसी सेठ या बारात को लूटें तो बंदूकें और कारतूस खरीदे जाएं.

© PRAN'S FEATURES 1982

यह छोटी-मोटी लूटमार बंद! आज हम कुछ बड़ा काम करेंगे. हम बैंक लूटेंगे!

सरदार राका!

जिन्दाबाद!!

और राका साथियों को लिए सिटी बैंक की ओर चल दिया.

साथियो! वह रहा बैंक! चैक कैश कराने के लिए तैयार हो जाओ!

सिटी बैंक

सारे नोट निकाल कर सामने रख दो वर्ना...

डाकू!

कैशियर

जो जहां हैं, वहीं रहे. यदि किसी ने कोई चालाकी करने की कोशिश की तो उसका इस दुनिया से टिकट कट गया समझो.

बैंक लूटना इतना आसान नहीं बच्चे! बंदूक नीचे गिरा दो!

खटाक!

नालायक! जब बैंक लूटने जाते हैं तो सबसे पहले दरबान को मारते हैं! समझे?

माफ कर दो सरदार! दुबारा कभी ऐसी गलती नहीं होगी.

आओ चलें!

बैंक लूटना इतना आसान नहीं! चलो, सारी करंसी खजांची को वापस करो!

तूने अपनी मौत खुद बुलाई है बुड्ढे!

धांय!

गाड़ी रोको! उस बैंक से गोली चलने की आवाज आई है.

पुलिस

© PRAN'S FEATURES 1982

ओह! मेरे सारे साथी मार डाले!
राका! अपने आप को मेरे हवाले कर दो वर्ना तुम्हारा भी वही हाल होगा जो तुम्हारे साथियों का हुआ हैं!
इंस्पेक्टर! मैं तुम्हारा सिर लौकी की तरह काटने आ रहा हूं!
इससे पहले कि राका कदम बढ़ाता, इंस्पेक्टर ने गोलियों की बौछार कर दी.

इंस्पेक्टर! तुम्हारे ये छर्रें राका का नाखून भी टेढ़ा कर सकते. अब आखिरी समय राम का नाम लो और दुनिया से कूच करने की तैयारी करो!
आहहह!
और अब इस कनस्तर की भी जरूरत नहीं पड़ेगी.
क्योंकि राका दुनिया का सबसे ताकतवर आदमी है, दुनिया में ऐसा कोई पैदा नहीं हुआ जो राका का बाल भी बांका कर सके!

मेरे किसी साथी के कराहने की आवाज आ रही है .

शेरू !

सरदार ! हमने सारी उम्र वफादारी से तुम्हारा साथ दिया . क्या हमारा खून यूं ही बह जाने दोगे ?

नहीं, मैं तुम्हारा खून यूं ही नहीं जाने दूंगा . मैं तुम्हारे खून के एक - एक कतरे के बदले में दस - दस आदमी मारूंगा .

काली माई की कसम, जब तक मैं हर देश के हजारों आदमियों को मौत के घाट उतार कर तुम्हारी मौत का बदला न ले लूं , चैन से नहीं बैठूंगा .

दुनिया के देशो ! होशियार हो जाओ ! राका आ रहा है .

और राका अपने उबलते खून को ठंडा करने चल दिया .

यह पायलट मेरे काम में मदद कर सकता है.

मुझे दुनियाभर के सारे देशों में जाना है.

तुम तो ऐसे कह रहे हो जैसे टैक्सी से दिल्ली घूमना हो. जाओ, अपना रास्ता नापो.

अगर किसी और ने यह कहा होता तो मैं उसका सर कलम कर देता. मगर मुझे इस पायलट की जरूरत है.

लो, यह नोटों की गठरी! अब बोलो?

ओह! इतने नोट! क्या ये सब मेरे हैं?

लम्बू! तुम आ सकते हो. लेकिन अपना सिर झुका कर घुसना.

और हवाई जहाज राका को लेकर खुले आकाश में उड़ने लगा.

तुम इतने देशों में क्यों जाना चाहते हो?

मैंने कसम खाई है. मुझे हर देश के कुछ-एक हजार आदमी मौत के घाट उतारने हैं.

कहीं तुम डाकू राका तो नहीं?

ठीक पहचाना, पायलट! मैं लोगों को मारूंगा, तुम दौलत लूटना.

© PRAN'S FEATURES 1982

राका ! यह रहा न्यूयार्क !
तुम यहीं ठहरो ! मैं जरा शहर घूम कर आता हूं.
ए, बेवकूफ ! सड़क के बीचों-बीच चलता है.
तुमने मुझे बेवकूफ कहा ? अब इस गुस्ताखी की सज़ा भुगतो !
पुलिस! पुलिस!

राका ने कार को पूरे जोर से दे मारा.

धड़ाक!

ओह! कार में आग लग गई!

अरे! उसका ड्राईवर भी जल गया!

कार की आग से उस ऊंची इमारत में आग लग गई!

उसमें हजारों लोग घिर गए हैं!

फायर बिग्रेड को बुलाओ!

बचाओ!

देखता हूं कौन फायर-ब्रिगेड को बुलाता है?

धड़ाक!

ओह!

ओह!

न्यूयॉर्क पुलिस.

यह बहुत जालिम आदमी है. इससे पहले कि यह जान-माल का और नुकसान करे, इसे खत्म कर दो!

धांय! धांय!

गोलियां उस पर कोई असर नहीं कर रहीं!

यह अमरीका के खिलाफ कोई रूसी षडयंत्र है: टैंक लाओ!

मूर्ख ! तेरे पागलपन का अंत होने वाला है. अमरीकी टैंक लड़ाई के मैदान में पूरी बटालियन खत्म कर चुके हैं.

धांय!

असम्भव! मेरे टैंक का गोला किसी को लगे और वह जिन्दा रहे, यह आज तक नहीं हुआ!

चूहे! अब मेरी बारी है!

कड़ाक!

आह!

राका! तुमने बहुत आदमियों को मार डाला!

कैप्टन! अभी शुरूआत हुई है! चलो किसी दूसरे मुल्क!

कैप्टन! यह खूबसूरत शहर क्या हैं ?

राका! यह फ्रांस की राजधानी पेरिस हैं.

कैप्टन! जहाज यहीं उतारो! मैं यहां की सुन्दरता कुछ कम करना चाहता हूं.

और फिर पेरिस की सड़कों पर लाशों के ढेर लग गए.

बचाओ!

भागो!

© PRAN'S FEATURES 1982

अब इस बड़े आदमी का अंत समझो! हमारे जैट राकेट बरसाने आ रहे हैं!
तड़ड़ड़ड़ड़!!!!
और फिर बमों की वर्षा ...
हे भगवान! यह किस चीज का बना है ?
उसको तो खरोंच तक नहीं आई .
सारे फ्रांस में खून बहा कर राका दूसरे देश को रवाना हो गया .

और फिर उसने रूस की सड़कों पर लाशें बिछा दीं.

बड़ा आदमी आ रहा है!

वह सबको मार डालेगा!

रूसी डिफैंस हैड-क्वार्टर्स.

एक बड़ा आदमी पता नहीं कहां से आया है?

मैंने उसके बारे में अखबारों में पढ़ा है. यह अमरीका की हमारे खिलाफ चाल है. रूस इस षडयंत्र को विफल कर देगा.

उस बड़े आदमी को किसी वीरान जगह पर ले जाओ और उसे मिसाइल्स से उड़ा दो!

तुमने मुझे देख कर ट्रक रोक क्यों लिया? क्या तुम्हें मुझसे डर नहीं लगता?

मैं कॉमरेड जुखोव हूं, तुम्हारा मित्र. मेरे साथ आओ, मैं तुम्हें ऐसी जगह ले जाऊंगा जहां मारने के लिए तुम्हें बहुत आदमी मिलेंगे.

कामरेड जुखोव! ट्रक और तेज चलाओ! मुझे ठंडी हवा में मजा आ रहा है.

जुखोव, तुम मुझे किस वीरान जगह पर ले आए?

यह साईबेरिया है. मुझे जैसे अधिकारियों ने हुक्म दिया, मैंने वैसा ही किया.

धोखा! तुम्हें इसका फल भुगतना पड़ेगा!

आह-ह-ह!!!

साईबेरिया में रूसी मिसाइल्स...

फायर!

एक साथ कई घातक
मिसाइल्स छूट पड़े.
?
सारे साईबेरिया में जैसे कई ज्वालामुखी एक-साथ फट पड़े हों...
क्रे-ऽ-ऽ-बम!
रूसी डिफेंस हैडक्वार्टर्स...
क्या? असम्भव!
जब विश्व के देश राका के जुल्मों के आगे दम तोड़ने लगे तो संयुक्त राष्ट्रसंघ का आपातकालीन अधिवेशन बुलाया गया.
दोस्तो! यह अधिवेशन किसी दो देशों की जंग को रोकने के लिए नहीं बल्कि पूरी मानव जाति को एक ऐसे खतरनाक दरिंदे से बचाने के लिए बुलाया गया है जिसकी इतिहास में मिसाल नहीं.

राका एक ऐसा कैंसर है जिसे हमने अभी खत्म न किया तो वह सारी मानव जाति को खत्म कर देगा. मगर प्रश्न यह है कि उसे मारे कौन ? हमारे सारे हथियार उसको मारने में नाकाम साबित हो चुके हैं.

इस समस्या को सिर्फ एक ही आदमी हल कर सकता है, और वह है **चाचा चौधरी!** कम्पयूटर से भी तेज दिमाग वाला !

चाचा चौधरी !

चाचा चौधरी !

चाचा...

चौधरी...!

तब संयुक्तराष्ट्र संघ के सेक्रेटरी जनरल ने चाचा चौधरी से फोन मिलाया.

... चाचाजी, निर्दोष व्यक्तियों को राका के हाथों से मरने से अगर कोई बचा सकता है तो आप ही...

सेक्रेटरी साहब ! मैंने अखबारों में उसके अत्याचारों के बारे में पढ़ा है. राका कहां मिलेगा ?

साईबेरिया में.

चाचा चौधरी और साबू जहाज पर साईबेरिया की तरफ चल दिए.

© PRAN'S FEATURES 1984

साई बेरिया.
साबू, यह ठंडा प्रदेश हैं. तुम्हें सर्दी तो नहीं लग रही?
नहीं. आपको पता है मैं ज्युपिटर का रहने वाला हूं.
जब राका के बारे में पहली खबर अखबारों में छपी थी, तभी मैं समझ गया था कि चक्रमाचार्य का अद्भुत अर्क उसके हाथ लग गया होगा.
लेकिन एक ऐसे आदमी से लड़ने जाना जिसे हम मार ही नहीं सकते, मौत को दावत देना हैं.
फिर भी चाचाजी, आपको कोई न कोई रास्ता तो निकालना ही हैं.
क्या मेरी आंखें सही देख रही हैं? चाचा चौधरी और साबू? मुझसे गलती हो गई. इन्हें तो मुझे सबसे पहले ही मार देना चाहिए था.
चौधरी! साबू! जल्दी से तय कर लो. तुम दोनों में से पहले कौन मरेगा?

मूर्ख! तेरे पापों का घड़ा भर चुका है! तेरे आखिरी दिन आ गए हैं!

गीदड़! क्या तू नहीं जानता कि मुझे कोई नहीं मार सकता? लो, आई मेरी कुल्हाड़ी!

खटाक!

पलक झपकते ही चाचा चौधरी दूर हट गया.

वह फिर वार करने आ रहा है. मुझे उसे तुरंत रोकना चाहिए.

साबू ने बीच में आकर वह वार अपने हाथ पर लिया.

स्वटाक!

ओह! मेरी कुल्हाड़ी!

जब तक राका सम्भले, चाचा चौधरी ने अपनी जेब से लाल मिर्चों का एक पैकेट निकाल लिया.

पंसारी ने बताया था ये बड़ी कड़वी हैं.

भले ही मेरी कुल्हाड़ी टूट गई हो, मैं गर्दन मरोड़ कर भी तुमको मार सकता हूं.

और ज्योंही राका नजदीक आया...

ओह!

मेरी आंखें! मुझे दिखाई नहीं देता!

राका पास बहते पानी की तरफ भागा.

हा-हा!! हमने राका को पचास प्रतिशत तो बेकार कर दिया.

नहीं साबू! जब वह पानी से अपना मुंह धोएगा, तो उसकी आंखों में से मिर्चें निकल जाएंगी. तब वह दोगुने गुस्से से हमला करेगा.

तो फिर चाचाजी, उसके पानी से निकल कर आने से पहले हमें अपने अगले कदम का निर्णय कर लेना है..

साबू, थोड़ा रुको! मुझे सोचने दो.

और चाचा चौधरी गम्भीर विचारों में खो गए.

साबू! मैंने अपने सारे दाव-पेचों पर गौर किया है. इन हालात में मुझे फार्मूला नं. 364 कुछ कारगर होता नजर आता है. परंतु तुम्हें जान जोखम में डालनी पड़ेगी.

मैं अपनी जान की बाजी लगाने को तैयार हूं. मुझे भी इस फार्मूले में आशा की किरण दिखाई देती है.

उधर पानी में राका ने अपनी आंखों में पड़ी मिर्चें साफ कीं.

मुझसे यह चाल!

मैं दोनों को जिन्दा नहीं छोड़ूंगा!

© PRAN'S FEATURES 1983

साबू! जल्दी!

कायरो! भाग रहे हो! लेकिन कहां तक जाओगे? आखिर मेरे हाथों मारे जाओगे!

रूस का अंतरिक्ष अनुसंधान केन्द्र.

साबू अंतरिक्ष-यान की तरफ लपका.

और ऊपर चढ़ने लगा.

माफ करना कामरेड! तुम्हारे सलाम का जवाब बाद में दूंगा. इस समय जल्दी में हूं.

कंट्रोलरूम

साबू! अंतरिक्ष यान में घुसना बेकार है.

© PRAN'S FEATURES

गुस्से से भरा राका साबू के पीछे अंतरिक्ष यान पर चढ़ गया

उधर कंट्रोल रूम में ...

यही मौका है.

और कंट्रोल रूम में बैठे चाचा चौधरी ने बटन दबा दिया. अंतरिक्ष यान छूट गया.

ओह! नहीं!

यह सब उस चूहे चाचा चौधरी की चाल है.

और फिर यान हजारों प्रकाश वर्ष दूर तक अंतरिक्ष को चीरता चला गया.

यान के अंदर बैठे साबू ने पृथ्वी पर बैठे चाचा चौधरी से सम्पर्क स्थापित किया .

चाचाजी मैं अंदर हूं, राका बाहर. और हमारे चारों तरफ है अंतहीन अंतरिक्ष. अब हमारा अगला कदम क्या होगा ?

पृथ्वी पर.

साबू, तुम अंतरिक्ष में बिना आक्सीजन के रह सकते हो . हमारा फार्मूला यहां तक कामयाब हुआ. अब तुम बाहर जाओ और फार्मूले का आखिरी दांव मारो.

क्योंकि साबू ज्यूपीटर ग्रह का वासी है .

साबू ने बाहर जाने के लिए अंतरिक्ष यान का दरवाजा थोड़ा सा खोला .

ओह! मैं गिरते गिरते बचा.

देखो ! कुदरत ने हमारी लड़ाई के लिए कितना अजीबोगरीब अखाड़ा बनाया है .

बेवकूफ ! तुझे तो पता था कि मैं मर नहीं सकता, फिर तू अपनी जान गंवाने क्यों आ गया ?

लो, मेरा सलाम कबूल करो.

ओह !

तभी साबू ने पलटा मारा...

और...

ओह !

धड़ाम!

ओह ! अगर मेरे हाथ यान से छूट गए तो मैं इस अंतरिक्ष में हमेशा के लिए खो जाऊंगा.

राका ने दम लगाया और फिर यान पर आ गया. उसकी आंखों से गुस्से की चिनगारियां निकल रही थीं.

लम्बू ! अभी तुमने राका का धोबीपल्टा नहीं देखा !

ओह !

धड़ाक!
साबू गुस्से से पागल हो उठा...
और पास के किसी ग्रह पर ज्वालामुखी फट पड़ा.
जब साबू को गुस्सा आता है तो ऐसा होता है.
फिर साबू ने अपनी पूरी ताकत को इकट्ठा किया और...
ए! मुझे नीचे उतारो!

और साबू ने पूरे जोर से राका को गेंद की तरह अंतरिक्ष में फैंक दिया.

और कुछ ही क्षणों में राका अंतहीन अंतरिक्ष में विलीन हो गया.

पृथ्वी पर कंट्रोल रूम में चाचा चौधरी परेशान बैठे हुए थे.

पता नहीं नतीजा क्या हुआ

तभी...

चाचाजी, फार्मूला 364 कामयाब हुआ. राका लाखों प्रकाश-वर्ष दूर अंतरिक्ष में चला गया है.

शाबाश, साबू! अब तुम पृथ्वी पर वापिस लौट आओ.

साबू का यान पृथ्वी की ओर चल दिया ...

और हिन्द महासागर में गिराया गया, जहाँ उसे निकालने के लिए नेवी का इन्तजाम था.

अगले ही दिन प्रेस-रिपार्टरों ने चाचा चौधरी को घेर लिया.

क्या दुनिया से राका का आतंक खत्म हो गया?

क्या राका मर गया?

राका कहां गया?

अरे भाई! एक-एक करके सवाल पूछो.

क्या राका मर गया?

.नहीं! क्योंकि उसने चक्रमाचार्य का अदभुत अर्क पिया था अत: उसे मारना सम्भव नहीं था. उसे लाखों प्रकाशवर्ष दूर अंतरिक्ष में फेंक दिया गया है.

तब तो राका कभी भी पृथ्वी पर लौट कर आ सकता है. तब उसके अत्याचारों का सिलसिला फिर शुरू हो जाएगा.

नहीं. वह पृथ्वी पर कभी नहीं आएगा...

क्योंकि वह एक उपग्रह बन कर अंतरिक्ष में हमेशा के लिए चक्कर लगाता रहेगा. उसके पास पृथ्वी पर आने के लिए कोई उपकरण भी नहीं.

क्या राका कभी अंतरिक्ष में ही मर नहीं सकता?

हो सकता है सूर्य की तेज अल्ट्रा वायलेट किरणों के प्रभाव से उसके खून में मिले अर्क का प्रभाव मिट जाए और राका दम तोड़ दे.

अरे भई, कल्लू! तुम यहां कैसे?

मैंने सुना आपके यहां प्रेस कांफ्रेस हो रही है. सो मैं भी अपनी प्रेस यहां ले आया.

हा-हा-

हा-हा-

हा-हा-हा-

और फिर जीवन पूर्वतः चलने लगा.

© PRAN'S FEATURES 1988

समाप्त.